जल परिवहन

1895. **श्री राधवजी:** क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि जल परिवहन सबसे सस्ती परिवहन की प्रणाली है;

(ख) क्या देश में जल-परिवहन के विस्तार हेतु योजनाएं तैयार की गयी है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उसका कार्यान्वयन कब से प्रारंभ किया जायेगा; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी० जी० वेंकटरामन): (क) और (ख) जी हां।

(ग) तीन जलमार्गों, अर्थात् (i) गंगा-भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली (1620 कि० मी०) का इलाहाबाद-हल्दिया खंड, (ii) ब्रह्मपुत्र नदी का सदिया-धुबरी खंड (891 कि० मी०) और (iii) पश्चिमी तटीय नहर का कोल्लाम-कोट्टापुरम खंड तथा चम्पाकारा और उद्योग मंडल नहर (205 कि० मी०) को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया जा चुका है और इन्हें नियमित नौचालन हेतु विकसित किया जा रहा है। गोदावरी नदी के चेरला-राजमुन्दरी खंड और इसकी डेल्टा नहरों को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किए जाने से संबंधित प्रस्ताव पर कार्रवाई की जा रही है। बराक नदी, डी बी सी नहर, पूर्वी तटीय नहर, काकीनाडा मद्रास नहर, पश्चिमी तटीय नहर के कोट्टापुरम-कसारगोड और कोल्लाम-कोवलाम खंडों में अध्ययन/जांच-कार्य किया जा रहा है। इन जलमार्गों का नौचालन हेतु विकसित किया जाना इनकी तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता तथा निधियों की उपलब्धता पर निर्भर करेगा।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

राष्ट्रीय राजमार्ग 32 पर वाहिनी नाले पर पुलिया का क्षतिग्रस्त होना

1896. **श्री ज्ञान रंजन:** क्या **जल-भूतल परिवहन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय राजमार्ग सं० 32 पर टाटा और पुरुलिया के बीच पड़ने वाले वाहिनी नाले पर लगभग 59 वर्ष पूर्व जो पुलिया बनायी गयी थी वह पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी है;

(ख) क्या यह भी सच है कि चाण्डल और नीमडीह बलरामपुर के बीच की इस सड़क को चौड़ा नहीं किया गया है;

(ग) यदि हां, तो सरकार सड़क के उक्त भाग को कब तक चौड़ा करने और वाहिनी नाले पर पुलिया का निर्माण करने का विचार रखती है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी० जी० वेंकट-रामन): (क) बाबनी-नाला पुल की रेलिंग और पुल से एकदम सटे संपर्क मार्गों को क्षति पहुंची थी।

(ख) से (घ) बिहार में 19 कि० मी० लम्बे चांदिल-बलरामपुर खंड में, चांदिल के निकट 5 कि० मी० लम्बाई के सिवाय, सड़क दो लेन वाली है। निधियों के अभाव के कारण, पश्चिमी बंगाल में शेष 11 कि० मी० लम्बाई तथा चांदिल के निकट वाले भाग को चौड़ा नहीं बनाया जा सका। रेलिंग की मरम्मत और बाबनी नाला पुल से लगे संपर्क मार्गों के बचाव के लिए कार्य को दिसम्बर, 96 में संस्वीकृति दी जा चुकी है। अतिरिक्त सुधार स्कीमों, जिसमें यथा आवश्यक पुल का पुनर्निर्माण कार्य शामिल है, पर नौवीं योजना में विचार किया जाएगा, बशर्ते निधियां उपलब्ध हों।

गुजरात में सड़क विकास परियोजना हेतु "विशेष निधि"

1897. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ला:** क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या गुजरात सरकार द्वारा राज्य में सड़क विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन हेतु केन्द्रीय सरकार की सहायता से एक "विशेष निधि" की स्थापना हेतु कोई प्रस्ताव भेजा गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने उक्त प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है और उन संसाधनों की पहचान कर ली है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और क्या इस उद्देश्य हेतु गैर-सरकारी क्षेत्र की भागीदारी को निमंत्रित करने का विचार है; और

(ङ) इस निधि को कुल कितनी धनराशि से चालू किया जायेगा?